यूफ्लेक्स ने कार्बन न्यूट्रैलिटी हासिल करने के लिए क्रेड्यूस के साथ साझेदारी की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारत को 2070 तक देश को कार्बन नेट जीरो बनाने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता से देश का कॉरपोरेट नेतृत्व बहुत उत्साहित है।

इस संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, अपने-अपने क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी दो कंपनियों ने इस सपने को साकार करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। फ्लेक्सिबल पैकिंग सामग्री और समाधान के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी 'यूफ्लेक्स' ने भारत की सबसे तेजी से बढ़ती कार्बन क्रेडिट कंसलटेंसी 'क्रेड्यूस' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है और इसे अपना सलाहकार भागीदार बनाया ताकि एंड-टू-एंड कार्बन न्यूट्रैलिटी हासिल की जा सके । इसके अंतर्गत कार्बन फुटप्रिंट और न्यूट्रैलिटी को समझना और उसका विश्लेषण करना होगा, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत और मान्यता प्राप्त मंच पर कार्बन और प्लास्टिक क्रेडिट बैलेंस बनाया जाएगा और उसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। यह स्थायी विकास लक्ष्य का भाग होगा जिसमें सस्टेनेबिलिटी के लिए रोडमैप बनाने के साथ- साथ और भी बहुत कुछ किया जाएगा।

सामाजिक रूप से जिम्मेदार एक कॉरपोरेशन के रूप में, यूफ्लेक्स आधुनिक टेक्नोलॉजी से संचालित समाधान बनाने में अग्रणी रहा है। एक स्वच्छ और हरित पर्यावरण की दिशा में अपनी खोज के तहत कंपनी ने क्रेड्यूस टेक्नोलॉजीज के साथ एक समझौता करने की घोषणा की है। यूफ्लेक्स में फ्लेक्सिबल पैकेजिंग बिजनेस के ज्वाइंट प्रेसिडेंट जीवराज पिल्लई का कहना है, हम हमेशा अपने समूह को स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध थे, हम पूरे समूह में वर्ष 2024 के अंत तक लगभग 175,000 टन कार्बन उत्सर्जन के बराबर कटौती करना चाहते हैं।